हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 9 नवंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बोधू सिंह मरावी बने बिछिया विधानसभा अध्यक्ष

मवई। बिछिया विधानसभा क्षेत्र से युवा और ऊर्जावान समाजसेवी बोधू सिंह मरावी को सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस का बिछिया विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उनके निर्वाचन की खबर मिलते ही क्षेत्रभर में हर्ष का माहौल देखने को मिला। बोधू सिंह मरावी लंबे समय से समाजसेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने आदिवासी अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण को देखते हुए कार्यकर्ताओं ने उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए सर्वसम्मति से चुना। चयन के बाद बोधू सिंह मरावी ने कहा कि वे संगठन की नीतियों और आदर्शों पर चलते हुए क्षेत्र के प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा और विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए जिम्मेदारी के साथ जनता की सेवा का अवसर है। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक नारायण सिंह पट्टा, जिला अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले, पूर्व जिलाध्यक्ष एड. राकेश तिवारी सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उज्जवल भविष्य की कामना की।

रितेश सोनी निवास विधानसभा अध्यक्ष बने

निवास। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के हाल में ही हुए चुनावों में मंडला जिले की निवास विधानसभा से रितेश सोनी ट्विंकल ने विधानसभा अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है बता दें कि रितेश सोनी ट्विंकल पहले नारायणन ने युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं युवा कांग्रेस की रीति और नीति को जन जन तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं ट्विंकल युवाओं के icon हैं वे हमेशा युवाओं की समस्याओं के लिए खड़े रहते हैं इनकी जीत से युवाओं में नया जोश एवं उत्साह देखने को मिले गा इनके बनने से निवास विधानसभा में युवाओं में नया ऊर्जा का संचार होगा इनके प्रयासों से युवा कांग्रेस ने निवास विधानसभा में नौजवानों के बीच पहुंचकर जनान्दोलनों को और अधिक व्यापक बनाने की कोशिश करेगी।

युवा उत्सव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण-डॉ. गुप्ता

दो दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन

*** वरीयता प्राप्त विद्यार्थी करेंगे कॉलेज का प्रतिनिधित्व।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

युवा उत्सव युवा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है जो उनके भीतर छिपी प्रतिभा व कला कौशल प्रदर्शन हेतु समुचित मंच प्रदान करने व साम्प्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने का एक सुनहरा मंच है। उक्त सारगर्भित विचार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला में आयोजित दो दिवसीय युवा उत्सव के उद्घाटन अवसर पर प्राचार्य डॉ.अनिल गुप्ता ने युवा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रकट किया। उन्होंने कहा कि युवा उत्सव युवाओं का पर्व है जिसमें युवा वर्ग अधिकाधिक संख्या में सहभागी कर 2047 तक विकसित भारत की शासन की संकल्पना को साकार कर सकते हैं। मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय जनभागीदारी के अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर निखारे ने युवा उत्सव को वैष्विक चुनौतियों व देश के भविष्य का भार उठाने स्थानीय स्तर पर सुलभ मंच बताते हुए विद्यार्थियों को विविध विधाओं में सहभागिता कर महाविद्यालय व जिले का नाम रोषन करने का आव्हान किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. टी.पी. मिश्रा ने युवा उत्सव के 40 साल के एतिहासिक सतत प्रवाह से परिचित कराते हुए कहा कि उच्च षिक्षा का मन्तव्य युवा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को समग्र विकास के अनुकूल अवसर उपलब्ध कराना है। ताकि उनमें आत्मविष्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके। युवा उत्सव को वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए डॉ. बी. टेंभरे ने कहा कि यह सांस्कृतिक विरासत से जुड़कर आधुनिक भारत की बढ़ते व विकसित संकल्पना को प्राप्त करने व तानवपूर्ण जीवन से राहत प्रदान करने का उत्सव है। जनभागीदारी के वरिष्ठ संदस्य एवं समाजसेवी अमन अग्रवाल ने वर्ष में एक बार आयोजित होने वाले युवा उत्सव को अत्यंत भव्य बताते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सहभागिता करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को संयोजक डॉ. सीमा धुर्वे, डॉ. अर्जुन सिंह बघेल ने भी सम्बोधित किया। प्रषासनिक अधिकारी डॉ. एस.एस. ज्योतिषी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ.सीमा धुर्वे ने बताया कि युवा उत्सव को व्यवस्थित एवं भव्य रूप प्रदान करने हेतु विविध समितियों का गठन कर कार्यक्रम के सुचारू सम्पन्नता की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम के संचालन एवं नियंत्रण हेतु गठित निगरानी समिति डॉ. टी.पी. मिश्रा, डॉ. एस.एस. ज्योतिषी एवं डॉ. बी. टेंभरे सतत रूप से अवलोकन करते रहे। कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती के छाया-चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन से हुआ। चन्द्रशेखर निखारे के मुख्य अतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता, संचालन डॉ. पी.एल. झारिया एवं आभार डॉ. अर्जुन सिंह बघेल ने किया। महाविद्यालय स्तर की इस दो दिवसीय युवा उत्सव में साहित्यिक, सांस्कृतिक ललित कलाओं इत्यादि विविध विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को जिला स्तर की आयोजित प्रतियोगिताओं में सहभागिता का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

मंडला में दो बाइकों की टक्कर का वीडियो वायरल

मोहन टोला में एक दिन पहले हुई थी युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला 49 मिनट पहले मंडला जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुए हादसे का वीडियो सामने आया है। इसमें दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर होती दिखाई दे रही है।बता दें कि, घंसौर रोड स्थित मोहन टोला में अमल ज्योति स्कूल के पास शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे की सूचना मिलते ही महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने घायल युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया था। मृतक की पहचान संजय राय, निवासी ग्राम बिछुआ के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक निरपत धोरनाला का रहने वाला है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं, इसी वजह से यह भीषण टक्कर हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

सरचार्ज माफी, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए 'समाधान योजना 2025-26' की शुरुआत कर दी है। इस योजना के तहत तीन महीने या उससे अधिक समय से बिजली बिल का भुगतान न करने वाले घरेलू, गैर-घरेलू, कृषि और औद्योगिक उपभोक्ताओं को उनके बकाया बिलों पर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य किसानों और आम उपभोक्ताओं को बिजली बिल के बोझ से राहत देना और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। समाधान योजना उन उपभोक्ताओं के लिए लाई गई है, जिन्होंने तीन माह या उससे अधिक समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है। यह योजना "जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान करें और ज्यादा लाभ पाएं" के सिद्धांत पर आधारित है।

सरस्वती विद्यालय के विद्यार्थियों का वुशु प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडला के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित विद्या भारती वुशु प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा रीतिका बनमाला और छात्र यश भांगरे ने अपने-अपने लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल तक पहुंचते हुए शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 26 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक श्रीनगर में आयोजित की गई थी।

इसके साथ ही विद्यालय की खेल शिक्षिका कु. आशा कोडोपे और कोच भैया संदीप बर्मन (पूर्व छात्र) ने अपने पसंदीदा खेल थांगता में गोवा में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में विद्यालय की माध्यमिक स्तर की छात्रा सेजल नामदेव ने भी विद्या भारती की अखिल भारतीय थांगता प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर राष्ट्रीय स्तर के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है। यह राष्ट्रीय स्पर्धा आगामी जनवरी में दिल्ली में आयोजित होगी।

विद्यालय परिवार की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रानी दुर्गावती शिक्षा प्रबंध समिति, मंडला के अध्यक्ष राजीव वर्मा, व्यवस्थापक अरविंद शर्मा और कोषाध्यक्ष योगेश श्रीवास्तव ने सभी विजेताओं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान और प्रोत्साहन किया। विद्यालय के खेल प्रभारी मंशाराम पटेल, प्राचार्य और पूरे आचार्य परिवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रबंधन की लापरवाही से आनंदम में सड़ गये दान किये गये वस्त्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित 'आनंदम' केंद्र, जो कभी जरूरतमंदों की मदद का प्रतीक था, अब बदहाल स्थिति में है। यहां दान किए गए लाखों रुपये के कपड़े सड़ चुके हैं, जिन्हें अब नगरपालिका के ट्रैक्टर में भरकर फेंका जा रहा है।

'आनंदम' की स्थापना जरूरतमंदों तक अनुपयोगी लेकिन उपयोगी सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। दानदाता यहां अपने घर या दुकान से कपड़े और अन्य वस्तुएं जमा करते थे। हालांकि, मंडला में इस केंद्र का संचालन अव्यवस्थित तरीके से हो रहा है, जिसके कारण सामग्री को न तो सुरक्षित रखा जा रहा है और न ही जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। केंद्र के शेड में रखे कपड़े नमी और गंदगी के कारण पूरी तरह सड़ चुके हैं। स्थानीय लोगों और दानदाताओं ने इस स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त की है। उनका कहना है कि वे नेकनीयत से कपड़े दान करते हैं ताकि किसी जरूरतमंद की मदद हो सके, लेकिन जब वे देखते हैं कि वही कपड़े कचरे में फेंके जा रहे हैं, तो उन्हें लगता है कि यह दान की भावना के साथ खिलवाड़ है। 'आनंदम' में तैनात कर्मचारियों ने स्वीकार किया है कि पिछले दो महीने से केंद्र का रखरखाव नहीं हुआ है। कर्मचारी नीलेश दुबे के अनुसार, कपड़े बहुत ज्यादा जमा हो गए थे और अब खराब हो चुके हैं, इसलिए उन्हें जलाने के लिए भेजा जा रहा है।

इस मामले पर क्षेत्र संयोजक विष्णु कुमार सिंगोर ने सफाई देते हुए कहा कि हमारा एक सहयोगी किसी वजह से काम नहीं कर पाया, जिसकी वजह से यह स्थिति बनी है। खराब कपड़ों को अलग कर व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। दानदाताओं और समाजसेवियों ने इस मामले में जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से 'आनंदम' जैसी योजनाओं की साख और गरिमा को बहाल करने का आग्रह किया है, ताकि भविष्य में दान की भावना लापरवाही की भेंट न चढ़े।

जन्मोत्सव | तृतीय वार्षिक आयोजन में श्याम गीतों पर भक्ति भाव से झूमे श्रद्धालु।

श्री खाटू श्याम जी का मनाया गया जन्मोत्सव

*** सुरीले भजनों की हुई शानदार प्रस्तुति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

श्री खाटू श्याम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नगर के अनुयायियों के द्वारा तृतीय वार्षिक आयोजन किया गया,आयोजन शुक्रवार शाम को चौपाटी के सामने किया गया। श्याम भक्तों के द्वारा भव्य दरबार सजावट के साथ श्री खाटू श्याम जी का मनमोहक श्रृंगार किया गया,अखण्ड ज्योत जलाई गई।

आराध्य को नाना प्रकार के व्यंजन के साथ 56 भोग अर्पित किए गए, इत्र वर्षा के साथ मनमोहक आयोजन हुआ। तत्पश्चात श्याम प्रेमी मित्र मंडली के द्वारा संगीतमय भव्य आयोजन किया गया, जिसमें इंद्रेश तलरेजा, रेशमी शर्मा एवं निर्मल म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा आस्था भक्ति गीतों पर संगीतमय मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

श्री खाटू श्याम जन्मोत्सव पर तृतीय वार्षिक आयोजन में मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके शामिल हुईं। उन्होंने विधिवत रुप से पूजन अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख शांति और समृद्धि के लिए कामना की, उन्होंने प्रार्थना की खाटू श्याम जी की कृपा सभी के जीवन में आनंद, आरोग्यता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे।

भक्ति भाव से प्रेरित भजन संध्या का आयोजन हुआ। वार्षिक आयोजन के उपलक्ष्य में शामिल जनों के लिए श्याम रसोई रूपी भंडारे की व्यवस्था की गई जिसमें जनसमुदाय ने प्रसादी ग्रहण की, श्याम मित्र मंडली द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आस्था प्रेमी शामिल हुए।

भाजपा कार्यालय में आयोजित हुआ सामूहिक वन्दे मातरम कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश कार्यालय के निर्देशन में भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम प्रभारी वरिष्ठ भाजपा नेता पारस असरानी ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके गायन से जिला कार्यालय वंदे मातरम के स्वरों से गूंज उठा। वही मंडल उपाध्यक्ष बैसाखू नंदा द्वारा भारत माता पर आधारित गीत के सुमधुर गायन से पूरे माहौल को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम में सभी ने एक स्वर में "वंदे मातरम" का जयघोष किया और राष्ट्र एकता व गौरव की भावना के साथ संकल्प लिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने कहा वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता के प्रति हमारी निष्ठा, समर्पण और एकता का प्रतीक है। आज के इस अवसर पर हर कार्यकर्ता को यह संकल्प लेना चाहिए कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रहेगा। वही भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि वंदे मातरम ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश की आत्मा को एकजुट किया था, और आज भी यह गीत हर भारतीय में वही देशभक्ति की ऊर्जा भरता है।

खबर संक्षेप

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट पुलिस ने किया काउन्टर मामला

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम तूमड़ा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है जब वह मजदूरी करने के लिये गया हुआ था जब वापिस घर लौटा तो वहा पर देखा कि उसकी पत्नी को पुरानी बुराई को लेकर गांव का शिवपाल नोरिया, सूरज नौरिया तथा सोनू नौरिया द्वारा मारपीट की जा रही थी। जब प्रार्थी ने घर पहुंच तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। वही दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत ही गई है कि गांव के सतीश नौरिया व उसके छोटे भाई संदीप के बीच पुरानी बुराई चल रही है। इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस सतीश नौरया द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। इसौरान बीच बचाव करने के लिये जब छोटे भाइर की पत्नी व व संदीप की माँ आई तो उनके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

क्षेत्र में कागजों मे चल रहे अनेक आंगनबाडी केंद्र

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्धेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है..? जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है। वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है। वही ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी ,केंद्र प्रभारियों की सांठगांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल कर दिए जाते है? अनेक केंद्रों पर मनमर्जी है उन्हे आंगनबाडी केंद्र को कब बंद करना है, कब खोलना यह सब उसकी मनमर्जी पर होता है?वही संबंधित अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण देखने मिलता है? केन्द्र की अनेक योजनाएं बंद-आगंनबाडी केंद्रों मे चलने वाली गर्भवती महिलाओं, बच्चों के कुपोषण रोकने, पोषण आहार, गोद भराई, अन्न प्रसान,वजन मेला जैसी कई योजनाएं बंद पडी हुई जान पड़ रही है और इन तमाम कार्यक्रम सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक सीमित है? वही आंगवाडियों द्वारा बनाए गए महिला स्व सहायता समूह की भूमिका भी संदिग्ध नजर आने से भी नही चूक पा रही है, जिसमें फर्जी समूह बनाकर फायदा उठाये जाने की चर्चाएं आम होती चली जा रही है? वही बच्चों को जिस प्रकार से साप्ताहित चार्ट के अनुसार भोजन मिलना चाहिए वह सिर्फ कागजों में तो मिल रही है,मगर हकीकत में यह सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गई है?

जर्जर होते हुये चली जा रही पुलिया की ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी क्षेत्र में अच्छी सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये सड़क निर्माण के लिये शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है तो उस क्षेत्र के लोग खुशी के मारे फूल नही समाते है। मगर शासन करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाई जाने वाली सड़को का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता अपनाई जाती है उस समय किसी भी जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह सड़क निश्चित ही चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की कहानी खुद ही बताने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा से उदयपुरा होते हुये प्रदेश की राजधानी जाने वाले स्टैट हाईबे स्तर के मार्ग पर भी आसानी से देखने मिल रही है, क्योंकि बीते हुये कुछ वर्ष पहले जब ग्राम पिठहरा से उदयपुरा की ओर जाने वाले इस मार्ग पर झिकोली के पास नर्मदा नदी में पुल का निर्माण हो जाने के कारण इस मार्ग की उपयोगिता अपने आप ही बढ़ गई थी। इसी के चलते इस मार्ग को प्रदेश स्तर के मार्ग में शामिल करते हुये शासन द्वारा कुछ साल पहले करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये इस मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था। मगर इस मार्ग का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क निर्माण के दौरान वर्षो पुरानी पुलिया को पुनः निर्माण करने की जगह उसी पुलिया के ऊपर से सड़क का निर्माण करने में कोई कसर छोड़ी गई थी।

सालीचौका उप मंडी में लटकते हुये तालों को लेकर चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल, धान का कटोरा माने जाने वाले क्षेत्र के किसान अपनी फसल विक्रय करने को हो रहे परेशान, कहीं निजी व्यापारियों को लाभ पहुंचाने की साजिश तो नहीं...?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जहां एक ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश की सरकार द्वारा किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने की बात कहते हुये जरूर सुना जाता है। मगर सच्चाई पर नजर डाली जावे तो वह वह घोषणाएं मात्र मंचों तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पाती है..? इस बात की सच्चाई निश्चित तौर सालीचौका क्षेत्र में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर देखा जावे तो सबसे अधिक धान फसल की पैदावार सालीचौका क्षेत्र में ही होती है और इसी लिये लोग सालीचौका क्षेत्र को धान का कटोरा की उपमा देने से नही चूकते है । मगर हालत यह है कि सालीचौका क्षेत्र में धान पैदा करने वाले किसानों के लिये अपनी फसल विक्रय करने के लिये मंडी में सुविधा नही मिल पाने की स्थिति में भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। कहने के लिये सालीचौका में उप मंडी की स्थापना की गई है। मगर यह मंडी मात्र शोभा की सुपारी बनी हुई दिखाई देने में कोई कसर नही छोड़ रही है। यह बात जरूर है कि जब क्षेत्र के किसानों द्वासरा मंडी को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन किया जाता है तो मंडी में खरीदी कार्य शुरू कर दिया जाता है और चंद दिनों उपरांत फिर ताले जहां के तहां लटके हुये दिखाई देना आम बात हो चुकी है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि सालीचौका उप मंडी क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 40-50 गांवों के किसान आते है जो इस मंडी के समीप होने के माध्यम से अपना अनाज विक्रय करने में सहूलियत पा सकते है। मगर इस मंडी में लोकापर्ण के उपरांत लगा हुआ अलीगढ़ का ताला जहां व्यापारियों व मंडी प्रशासन की मिली भगत होने की सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है तो दूसरी क्षेत्र के किसाना अपना अनाज विक्रय करने के लिये परेशान होते हुये देखे जा रहे है। इस तरह करोड़ो की लागत से बनी हुई नगर की उप मंडी जहां शोभा की सुपारी बनकर रह गई है और क्षेत्र के किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये गाडरवारा या फिर बनखेड़ी पिपरिया ले जाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस प्रकार अपनी मजबूरी के चलते क्षेत्र के किसानों को अपनी धान सहित अन्य अनाज निजी व्यापारियों को ओने पोने दामों में विक्रय करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह प्रशासन की अनदेखी के चलते मंडी में लटक रहे ताले का लाभ निश्चित तोर से क्षेत्र के निजी व्यपारियों को मिलने के कारण जहां मंडी प्रशासन व व्यापारियों की जुगल बंदी का संदेह पैदा करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिम्मेदारो की चुप्पी भी सबालों के घेरे में आते हुये दिखाई देने लगी है...? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय क्षेत्र के किसान जहां मंडी बंद रहने के कारण अपनी धान फसल सहित अन्य अनाज का विक्रय करने के लिये परेशान होते हुये देखे जा रहे है और इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये चुप्पी साधी जा रही है वह चिंता जनक बनने से नही चूक पा रही है। इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से चर्चा की गई तो ग्राम सहावन निवासी कृषक देवकरण वर्मा का कहना है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा किसानों के हितों को लेकर बड़ी बडी बाते जरूर की जाती है। मगर किसानों की परेशानियों को नजर अंदाज कर दिया जाता है जिसके कारण किसान परेशान होते रहते है। इस बात को अधिकारी भी अच्छे से जानते है कि सालीचौका क्षेत्र में हर किस्म के अनाज की बम्फर पैदावार होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये यहां पर उप मंडी की स्थापना की गई थी। मगर इस इस मंडी को क्षेत्र के किसानों को कोई लाभ नही मिल पा रहा है। इसी प्रकार से क्षेत्र के कृषक लीलाधर वर्मा का कहना है कि जब सालीचौका में किसानों के अनाज की खरीद करना ही नही थी तो फिर मंडी की स्थापना क्यों की गई। जब मंडी बनने के साथ साथ उसका लोकापर्ण हो चुका है तो फिर उसमें ताला डालकर रखने का क्या मतलब है? वही युवा कृषक नर्मदा पटैल सालीचौका का कहना है कि सालीचौका में बनाई गई उप मंडी को लेकर निश्चित ही सरकार की किसानों को लाभ पहुंचाने की सोच रही होगी। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि सिर्फ मंडी के निर्माण मात्र से तो किसानों को लाभ नही मिल सकता है। क्योंकि मंडी के निर्माण के बाद उसमें लटकता हुआ ताला जहां किसानों के लिये चिड़ाने से नही चूक रहा है और मंडी का लाभ क्षेत्र के किसानों को नही मिल पा रहा है। इसी प्रकार से गोलू गुप्ता का कहना है कि सालीचौका उप मंडी बंद रहने से सिर्फ किसान ही परेशान नही हो रहे है बल्कि यहां का व्यापार भी प्रभावित होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जब किसान अपना माल विक्रय करने के लिये गाडरवारा, बनखेड़ी या फिर अन्य दूसरी जगह लेकर जाता है तो वह अपना जरूरी समान भी वही से खरीदकर ले आता है। इस प्रकार से मंडी का निर्माण होने के बाद चालू न होना निश्चित ही मंडी प्रशासन के अधिकारियों व निजी व्यापारियों की मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है...? यदि मंडी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पिछली बार धान सीजन पर भी काफी जद्दोजहद के बाद मंडी को चालू किया था जिसमें मंडी राजस्व को लाखों का फायदा हुआ था। मगर इसके बाद इस सीजन पर फिर मंडी में खरीदी कार्य को बंद रखना निश्चित ही भ्रष्टाचार की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है...? इस तरह सालीचौका मंडी बंद रहने के चलते क्षेत्र के किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये काफी परेशानियों से जूझते हुये देखा जा रहा है।

एनटीपीसी की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर सहित पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई कार्यों की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

क्षेत्र के चीचली के समीप स्थित एनटीपीसी पावर प्लांट की बीते हुये शुक्रवार को जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की उपस्थिति में कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में एनटीपीसी गाडरवारा में उत्पादन, संग्रहण, उपलब्धि, श्रमिकों का भुगतान, प्लांटेशन, धरना प्रदर्शन, नशाखोरी की रोकथाम के आलवा सड़कों में यातायात सुधार, कंट्रोल रूम, दुर्घटना और सुरक्षा के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, गाडरवार अनुविभागीय अधिकारी कलावति व्यारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व महाप्रबंधक एनटीपीसी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बैठक में एनटीपीसी के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए प्लांटेशन के कार्यों के संबंध में जानकारी लेते हुये उन्होंने एनटीपीसी के द्वारा कराए गए प्लांटेशन की सुरक्षा करने के निर्देश दिये गये। जिससे प्लांटेशन के पौधों को कोई नुकसान न हो। इसी प्रकार से एनटीपीसी में कार्यरत श्रमिकों को नियमानुसार उचित मानदेय देने के निर्देश देते हुये कहा कि श्रमिकों के मानदेय का भुगतान प्रतिमाह नियमित रूप से करें। एनटीपीसी में कार्यरत समस्त स्टॉफ व श्रमिकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा गया। इस दौरान बैठक में एनटीपीसी द्वारा की गई उत्पादन, संग्रहण और लाभांश के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। वही जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अनावश्यक धरना प्रदर्शन करने वाले लोगों की सूची पुलिस विभाग को उपलब्ध कराई जावे। जिससे उनकी पहचान कर उन पर कार्यवाही की जा सके। वही नशाखोरी की समस्याओं का निराकरण करने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने को कहा, जिससे नशीले पदार्थों की तस्करी व सेवन करने वालों को पकड़ा जा सके, इससे नशे से मुक्ति मिलेगी। नशीली पदार्थ का सेवन करने वाले श्रमिकों को प्रवेश न दिया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना या घटना न घटे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एनटीपीसी में कार्य करने वाले श्रमिकों का पुलिस सत्यापन जरूर कराएं और उनका बायोडाटा सुरक्षित रखें। इसी प्रकार से काम छोड़कर जाने वाले श्रमिकों की सूची भी पुलिस विभाग को उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान सड़कों में यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। वाहनों को सड़कों में यहां- वहां खड़ा न रखें, वाहनों का उपयोग क्षमतानुसार करें, वाहनों को संतुलित वेग में चलाएं, ब्रेकर, हार्न और सांकेतिक चिन्हों का पालन करें। प्रत्येक वाहनों पर कड़ी निगरानी रखें, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना या घटना होने पर उस वाहन को ट्रेक किया जा सके। वही कि डस्ट ले जाने वाले वाहनों के ऊपर कव्हरिंग लगाया जाए, जिससे डस्ट इधर- उधर न उड़े। स्थानीय स्तर पर नियमित रूप से बैठक ली जाए और समस्याओं का निराकरण किया जाए। वही एनटीपीसी में स्थित पुलिस चौकी को मुख्य द्वार पर स्थांतरित किया जाए, जिससे एनटीपीसी की विभिन्न गतिविधियों पर पुलिस के द्वारा निगरानी रखी जा सके। उन्होंने इस दौरान व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने के लिए सीसीटीव्ही कैमरे लगाने के आदेश भी दिये गये।

यमदूत बन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे सिंगनल लाईट वाले बड़े वाहनो से बारिश के दिनों में बन रही सड़क दुर्घटनाओं की आशंका

हरिभूति न्यूज/सालीचौका। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है। किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है। जिसकी जीती जागती मिसाल इन दिनों गन्ने के कार्य की शुरूआत व किसानों के चल रहे कृषि कार्यो के दौरान क्षेत्र की सड़को पर तेज गति से दौड़ने हुये वाहनों में देखने को मिल रही है। जहां पर वर्तमान में क्षेत्र की सड़कों पर दो पाहिया, चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है। हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर सिंगल लाईट वाले काने वाहनो को टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुँचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देती है, जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है। यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनों का दौड़ाया जाना खतरनाक है। सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गति वाले वाहन चलते है, तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नहीं है। इन वाहनो से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है। वाहनो की धमा चौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है। इस दौरान बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बांक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, लोगों का कहना है कि आर टी ओ एवं पुलिस विभाग को मिलकर काने वाहन चालको के खिलाफ अभियान छेड़ना जरूरी हो गया है अन्यथा कभी भी क्षेत्र में बड़ी सड़क दुर्घटना घटित होना सम्भावित है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है, इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है। पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले दिनों में जब लॉक डाउन में ढील बरती जावेगी तो बडी घटनाओं को रोक पाना मुश्किल हो जावेगा?

राष्ट्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता को लेकर निजी शिक्षण संस्थाओं के प्रभारियों की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में आने वाले 13 नवम्बर से 17 नवम्बर तक आयोजित होने जा रहे 69 वी राष्ट्रीय शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता के संदर्भ में अशासकीय स्कूलों के प्रभारियों की बैठक तहसीलदार प्रियंका नेताम, डीपीसी मनीष चौकसे, सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे व नीलम मरावी, एपीसी समीर त्यागी, बीआरसी संदीप स्थापक की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में अशासकीय स्कूलों के प्रभारियों को राष्ट्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता के संदर्भ में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुये जरूरी दिशा निर्देश दिये गये। बताया जाता है कि इस बैठक में अगवत कराया गया कि नगर के अशासकीय स्कूलों का सहयोग आवास एवं परिवहन व्यवस्था में लिया जा रहा है। सभी अशासकीय स्कूल पूर्ण सहयोग कर आयोजन में महती भूमिका का निर्वाहन करें। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाडी आएंगे। अशासकीय स्कूलों के प्रभारी अपनी सुविधा अनुसार बच्चों को मैच दिखाने खेल मैदान लेकर आएं जिससे कि वे खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखकर सीख सकें। बैठक में बड़ी संख्या में अशासकीय स्कूलों के प्रभारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों द्वारा हूटर लगी गाड़ियों को नजर अंदाज करने के चलते हौसले हो रहे बुलंद ..

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? वही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आव्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है, क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है, और जब यह तेज हूटर रात के समय नगर में बजाया जाता है तो सोने वाले लोगों की नींद खराब हो जाती है, मगर धन्य है नगर का पुलिस प्रशासन जो आये दिन दुकानदारों सहित अन्य गरीब मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हे अपनी बर्दी की ताकत दिखाने के लिए तो हड़कता रहता है? मगर जिस प्रकार से लोगों द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अव्हेलना की जा रही है उनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नही करता है।

फसलों को तबाह कर रहे सुअर, अन्नदाता किसानों की बढ़ी मुसीबत

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। लगातार प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को इतना नुकसान पहुँचाया है कि उनकी आर्थिक दशा सॅभलने का नाम नही ले रही है और कर्ज के शिकंजे में जकड़े किसान विभिन्न समस्यो से छुटकारा पाने छटपटा रहे है। बीते वर्षो में खरीफ फसल सीजन में अल्प वर्षा से किसानों की फसलों की पैदावार अच्छी न होने के बावजूद हौसले को किसी तरह बुलन्द कर खाद, बीज का किसी तरह जुगाड़ कर रबी फसलों की बोवनी की थी फिलहाल वे अपनी विकसित हो रही फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। बताया जाता है कि किसानों की रबी सीजन की फसलें जंगली सुअर, हिरण और बंदर तबाह कर रहे है। ऐसे में परिस्थितियों से लाचार किसानो को व्यर्थ कृषि लागत जाने और रबी फसलों की पैदावार कम होने का अंदेशा सताने लगा है। क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों का कहना है कि उनके खेतों में खड़ी हुई गन्ना व धान फसलों को जंगली सुअर बर्बाद कर रहे है। गॉवों में सर्वाधिक वन्यजीव बन्दरों का आतंक है, जो झुंड में रहते है और मौका देखकर किसानो की फसलों को नुकसान पहुंचाते है। हालत यह है कि बंदर एक दिन में एक एकड़ में लगी बटरी की फसल तबाह कर रहे है और गन्ना फसल को खाते हुए उसे तहस नहस कर रहे है। किसानों का कहना है कि हिरण, बंदर, सुअर जंगल क्षेत्र की स्थितियॉ प्रतिकूल होने से किसानों को नुकसान पहुॅचाने ग्रामों में पलायन कर रहे है। इस बारे में वन विभाग के अधिकारियों से पूर्व में कई बार शिकायतें की गयी किंतु फसलों को विनष्ट करने वाले जंगली, सुअरों को नियंत्रित करने की कार्यवाही वन विभाग की ओर से नही, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है। इस हालत में वर्तमान में देखा जावे तो किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों को बंदर, जंगली सुअर जिस तरह उनकी रबी फसलों को नुकसान पहुॅचा रहे है। उससे किसानो की मुसीबतें और बढ़ा दी है। किसानों ने वन विभाग से अपेक्षा जतायी है कि वह उनकी फसलों को तबाह करने वाले हिरण, बंदर, जंगली सुअरो को पकड़नें के लिए रेस्सक्यू आपरेशन चलाये तथा इन जानवरो को जंगल में छोड़ने की किसानहित में शीघ्र व्यवस्था करें।

विद्युत शवदाह गृह निर्माण की मांग की ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान.....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर नगर का लगातार विकास होने के साथ इसकी आवादी में भी इजाफा होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में नगर का एक मात्र शमशान घाट की स्थिति बिगड़ने के चलते नगरवासियों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के शमशान घाट पर भयानक स्थिति उस समय निर्मित हो जाती है कि जब नगर के अंदर पांच लोगों से अधिक की मौत हो जाती है। क्योंकि शमशान घाट पर मात्र शवदाह करने के लिये 5 सेट बने हुये है। इस स्थिति में अनेकों पर नगरवासियों को खुले मैदान में शव दाह करते हुये देखा जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये लगभग पांच साल पहले नगर के श्रीमशान भैरव बाबा मंदिर समिति के मुरारी व्यास सहित अन्य सदस्यों द्वारा जिला कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौपते हुये विद्युत शवदाह घर के निर्माण की मांग की गई है। उस समय सौपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि कहने के लिये तो नगर पालिका के पास के पास शमशान घाट के नाम पर 18 एकड़ भूमि पड़ी हुई है। मगर वह लगातार अतिक्रमण के भेंट चढ़ते हुये देखी जा रही है। इस स्थिति के चलते मौके पर मुश्किल से मात्र 5 एकड़ भूमि ही सुरक्षित देखने मिल रही है, जिसके चलते यहां की स्थिति में अनेकोबार जब नगर में लोगों की मौते होती है तो शमशान घाट पर बने हुये 5 सेट भरे हुये रहते है तो दूसरी ओर अनेको बार शवों को जलाने के लिये लकड़ी का आभाव भी देखने मिलता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये यदि शासन प्रशासन द्वारा नगर के एक मात्र शमशान घाट पर अतिरिक्त रूप में विद्युत शवदाह घर का निर्माण करा दिया जाता है तो निश्चित ही इससे नगरवासियों को सुविधा मिलने लगेगी। वह वही लोगों को शव का दाह संस्कार करने के लिये लकड़ी खरीदने की परेशानियों से निजात मिलेगी। इस तरह दो वर्ष पहले सौपे गये विद्युत शवदाह घर की मांग पत्र की प्रति क्षेत्र के सांसद, विधायक सहित नगर पालिका अध्यक्ष व अनुविभागीय अधिकारी को भी प्रेषित की गई थी।

खबर संक्षेप

डिंडौरी में SIR के संबंध में नगर परिषद बीएलओ मीटिंग सम्पन्न

डिंडौरी। नगर परिषद क्षेत्र के सभी बीएलओ, वार्ड प्रभारी एवं सहायकों की बैठक एडीएम जे.पी. यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में गणना फॉर्म के ऑफलाइन एवं ऑनलाइन वितरण तथा वापसी की विस्तृत जानकारी दी गई।एडीएम यादव ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में सभी कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो सके।

पहले ही प्रयास में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन, ग्राम चिचरिंगपुर का बेटा बना मिसाल

डिंडौरी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) परीक्षा 2022 में ग्राम चिचरिंगपुर, पोस्ट दुहनिया, जिला डिंडोरी के राजेंद्र मालवे ने शानदार सफलता हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में 105वीं रैंक प्राप्त की है। उनके चयन सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) पद पर हुआ है। राजेंद्र मालवे एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता श्री देवसिंह मालवे और माता श्रीमती चंद्रवती बाई मेहनतकश किसान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद राजेंद्र ने कठिन परिश्रम और अटूट आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता अर्जित की।राजेंद्र मालवे अपने गांव के पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने MPPSC परीक्षा पास कर इतने प्रतिष्ठित पद पर चयन प्राप्त किया है। उनके इस सफर में अनेक चुनौतियां और संघर्ष आए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार 12 वर्षों तक अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे। अंततः उन्होंने अपनी लगन और दृढ़ निश्चय से सफलता का इतिहास रच दिया.राजेंद्र मालवे अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, मित्रों और मार्गदर्शकों को देते हैं। उन्होंने कहा कि अगर विश्वास और परिश्रम साथ हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला क्षय कार्यालय अनूपपुर समागार में प्रमुख जिला टीबी आफिसर डॉ एस.सी.रॉय की अध्यक्षता में "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम"से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक रखी गई। जिले में-टीबी मुक्त ग्रामपंचायत की संख्या, डीबीटी, टीबी नोटिफिकेशन, नाट साइड पर टारगेट के अनुसार जांच की संख्या, एक्स-रे रिपोर्ट, निश्चय आईडी, स्पूटम ट्रांसपोर्ट की जानकारी के साथ, समस्त खंखार जाँच केंद्र (डीएमसी) की व्यवस्था पर गहन चर्चा कर कमियों को दुरुस्त करने की बात कही गई।

अधिवक्ता सम्यक जैन ने रेल मंत्री से पुनर्विचार की मांग की

रेलवे व डाकघर समझौता समाप्त होने से ज़िलेवासियों मुसीबत में

भारतीय रेल द्वारा भारतीय डाक विभाग के साथ किया गया वह समझौता, जिसके अंतर्गत डाकघरों के माध्यम से रेल टिकट बुकिंग की सुविधा दी जा रही थी, अचानक समाप्त कर दिया गया है।

डिंडोरी।

इस निर्णय से न केवल नगरवासी बल्कि पूरे डिंडोरी जिले नगर व ग्रामीण अंचलों में नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस विषय को जनहित से जुड़ा बताते हुए अधिवक्ता सम्यक जैन ने रेल मंत्री को एक विस्तृत पत्र भेजकर निर्णय की समीक्षा और पुनर्विचार की मांग की है।

ग्रामीणों, बुजुर्गों और तकनीकी साधनविहीन नागरिकों पर पड़ा असर

पत्र में कहा गया है कि डाकघरों के माध्यम से रेल टिकट बुकिंग की सुविधा उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई थी जिनके पास न तो स्मार्टफोन है, न इंटरनेट कनेक्टिविटी और न ही डिजिटल लेनदेन का ज्ञान। यह व्यवस्था विशेषकर बुजुर्गों, ग्रामीण परिवारों और छोटे कस्बों के नागरिकों के लिए सुविधा का माध्यम थी।अब इस सेवा के बंद हो जाने से उन्हें टिकट बुक कराने के लिए या तो नजदीकी शहरों की यात्रा करनी पड़ रही है या दूसरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

अचानक सेवा बंद करना अनुचित जनहित की अनदेखी

अधिवक्ता सम्यक जैन ने पत्र में लिखा है कि यह निर्णय बिना किसी सार्वजनिक परामर्श या वैकल्पिक व्यवस्था के लिया गया, जिससे यह प्रशासनिक पारदर्शिता और जनसहभागिता के सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस सेवा का बंद होना संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 38 और 39 में निहित समानता, न्याय, और सामाजिक सुरक्षा के सिद्धांतों का उल्लंघन है।वहीं यह भी अंकित किया गया कि यह निर्णय "डिजिटल इंडिया" और "एक्सेसिबल इंडिया" जैसे सरकारी अभियानों की भावना के विपरीत है, क्योंकि इन योजनाओं का उद्देश्य डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाना है, समाप्त करना नहीं।अधिवक्ता ने रेल मंत्री से तीन प्रमुख कदम उठाने का आग्रह किया है कि रेलवे और डाक विभाग के बीच हुए समझौते को रद्द करने के निर्णय की व्यापक समीक्षा की जाए। डाकघरों के माध्यम से रेल टिकट बुकिंग सुविधा को तत्काल बहाल किया जाए। यदि पुनर्बहाली संभव न हो तो जिला और ब्लॉक स्तर पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, जिससे ग्रामीणों को नजदीकी स्तर पर रेल आरक्षण की सुविधा मिल सके।

सहयोगात्मक प्रशासन का उदाहरण था यह समझौता

पत्र में कहा गया है कि भारतीय रेल और भारतीय डाक विभाग के बीच हुआ यह समझौता एक उत्कृष्ट अंतर-विभागीय सहयोग का उदाहरण था। इसके माध्यम से सरकार ने अपनी सेवाओं को "अंतिम छोर" तक पहुँचाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया था। ग्रामीण डाकघर केवल पत्र और पार्सल तक सीमित नहीं थे, बल्कि उन्होंने रेलवे सेवाओं को भी जनसुलभ बनाने में अहम योगदान दिया था।अधिवक्ता जैन ने कहा कि रेल टिकट बुकिंग की यह प्रणाली न केवल सुविधाजनक थी, बल्कि आमजन का विश्वास सरकारी सेवाओं में बढ़ाने का माध्यम भी थी। अतः केंद्र सरकार को इस पर पुनर्विचार कर सेवा को पुनः शुरू करना चाहिए।उन्होंने विश्वास जताया कि रेल मंत्री इस विषय को गंभीरता से लेकर नागरिकों की परेशानी को दूर करने हेतु शीघ्र कदम उठाएँगे।

एसडीएम सुश्री भारती मेरावी ने किया BLO कार्य का निरीक्षण

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची कार्य की समीक्षा

डिंडौरी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत मतदाता सूची से संबंधित कार्य सतत रूप से संचालित किए जा रहे हैं।इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी द्वारा मतदान केंद्र क्रमांक 102 समनापुर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने BLO द्वारा ईएफ (Electoral Form) वितरण एवं मतदाता सूची गणना पत्रक भरने की प्रक्रिया का जायजा लिया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण उपरांत एसडीएम सुश्री मेरावी ने माध्यमिक शाला समनापुर का भ्रमण किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जुड़वाएं तथा परिवार और समाज में जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित करें।

नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन भवन का हुआ भव्य लोकार्पण

शहपुरा-जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव स्थित शिक्षण प्रकल्प अंतर्गत नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन भवन का भव्य लोकार्पण हुआ कोल इंडिया के द्वारा सी एस आर मद से निर्मित नर्मदांचल विद्यापीठ का शुक्रवार को भव्य लोकार्पण हुआ लोकार्पण से पूर्व दिवस में नवीन भवन में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ किया गया।

कन्याओं का पूजन हुआ मां सरस्वती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई गायत्री परिवार के द्वारा हवन पूजन का कार्य किया गया एवं वास्तु पूजन भी किया गया इसके पश्चात शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ नवीन भवन का लोकार्पण हुआ कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन किया गया इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत गीत के साथ अभिवादन किया गया।

तत्पश्चात कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल श्रीफल एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया विद्यालय के बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई संस्था के द्वारा विशिष्ट सहयोगियों का शाल श्रीफल सम्मान किया गया जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव के अध्यक्ष मनोहर लाल साहू ने अतिथियों का परिचय कराकर अभिवादन किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मनमोहन वेध अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर प्रदीप दुबे प्रांत संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डॉक्टर एचपी सिंह सेवानिवृत्ति न्यायमूर्ति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर कैलाश चंद्र साहू महाप्रबंधक सीएसआरसी बिलासपुर छत्तीसगढ़ ओमप्रकाश धुर्वे विधायक शहपुरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे साथ ही मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव डॉ श्री कृष्णा बिलैया अध्यक्ष नर्मदांचल विद्यापीठ समिति डॉ सुनीलकांत वाजपेई श्याम कुमरे सेवानिवृत्ति कमिश्नर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष कृष्णा कुमरे सेवानिवृत्त कलेक्टर शोभना बिलैया चंद्र कुमार पाठक एसईसीएल नरेंद्र सिंह प्रकल्प की प्रभारी जाम सिंह एवं श्याम बनवाले संस्था की प्राचार्य सुरभि पांडे सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक गण उपस्थित रहे।

9 नवम्बर को बरगांव में होगा विशाल दिव्यांगजन एवं जनकल्याण सह स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन

डिंडौरी।

डिंडोरी जिले में दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं जनकल्याण के उद्देश्य से ग्राम बरगांव, जनपद पंचायत शहपुरा में 9 नवम्बर 2025 को विशाल दिव्यांगजन शिविर एवं जनकल्याण सह स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदोरिया के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन तथा जनजाति कल्याण केंद्र शहपुरा के सहयोग से आयोजित किया गया है।इस अवसर पर आयुक्त, दिव्यांगजन मध्यप्रदेश द्वारा शिविर स्थल पर ही चलंत न्यायालय (मोबाइल कोर्ट) का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दिव्यांगजनों की विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।शिविर में दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, पेंशन, समग्र ई-केवाईसी, आयुष्मान कार्ड, स्वरोजगार योजना, शैक्षणिक सहायता, लोन योजनाएं, दिव्यांग स्पॉन्सरशिप छात्रवृत्ति, तथा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण आदि का लाभ प्रदान किया जाएगा। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को भी आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।जनकल्याण सह स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न शहरों से आए चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा विविध रोगों की जांच, उपचार एवं निःशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था की गई है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जांच, पैथोलॉजी टेस्ट, एक्स-रे, एवं सोनोग्राफी जैसी आधुनिक सुविधाएं भी शिविर स्थल पर उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

दिव्यांगजनों एवं हितग्राहियों की सुविधा हेतु जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत एवं क्लस्टर स्तर पर छोटे-बड़े वाहनों तथा बसों की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रत्येक वाहन हेतु वाहन प्रभारी नियुक्त किए गए हैं ताकि हितग्राहियों को शिविर स्थल तक पहुँचने में कोई असुविधा न हो।शिविर में अन्य विभागों द्वारा भी प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान करने हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।जिला प्रशासन डिंडोरी द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए। इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं आमजन के जीवन में सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश देना है।

कोदो- कुटकी पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 9 नवम्बर

डिंडौरी।

जिले में कोदो- कुटकी के उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन कार्य जारी है। शासन द्वारा कृषक हित को ध्यान में रखते हुए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 9 नवंबर 2025 निर्धारित की गई हैं।जिला प्रशासन एवम कृषि विभाग ने किसानो से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के पूर्व ई- उपार्जन पोर्टल पर अपनी फसल कोदो - कुटकी का पंजीयन अवस्य कराए, ताकि योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।जिला प्रशाशन एवं सभी संबंधित विभागों द्वारा जिले के दूरस्थ पहुंच विहीन एवं नेटवर्क विहीन गांवों में किसानो के घर- घर जाकर, चौपाल लगाकर, पंचायतों ,सोसायटीयो मे जाकर कृषकों के पंजीयन कराए जा रहे है। ताकि इस योजना का लाभ अधिक कृषक ले सके।आज दिनांक तक डिंडौरी जिले मे कुल कृषक पंजीयन - 3880 किये जा चुके है ।कृषक स्वयं भी अपनी फसल कोदो - कुटकी का पंजीयन ई- उपार्जन केंद्र , एम. पी. ऑनलाईन कियोस्क, कामन सर्विस सेंटर कियोस्क, निजी ऑनलाईन कैफे, लोकसेवा केंद्र मे जाकर करा सकते है।

शासन द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोदो - 2500/- एवं कुटकी - 3500/- प्रति कुण्टल पर खरीदी करेगी साथ ही दोनों फसलों पर 1000/- प्रति कुण्टल प्रोत्साहन राशि दी जायेगी कोदो -कुटकी की खरीदी हेतु जिले मे 30 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिले के सभी जनपद पंचायतों में आयोजन सम्पन्न

डिंडौरी।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज डिंडौरी जिले के सभी जनपद पंचायतों में भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणास्रोत रहा है। इस गीत ने देशवासियों में मातृभूमि के प्रति प्रेम, त्याग, समर्पण और एकता की भावना को सशक्त किया। वर्ष 1875 में रचित इस राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन द्वारा 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक चार चरणों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के सभी जनपद पंचायतों में भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किए गए। जनपद पंचायतों में प्रभात फेरी, राष्ट्रगीत गायन, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, देशभक्ति गीत, तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर वंदे मातरम की गूंज से जनपदों का वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। जिले के प्रत्येक जनपद पंचायत में स्थानीय जनपद अध्यक्षों के नेतृत्व में कार्यक्रम सम्पन्न हुए सभी जनपद पंचायतों में जनभागीदारी के साथ उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण वातावरण रहा। नागरिकों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति निष्ठा व्यक्त की।

खबर संक्षेप

यशवंत बने जिला महासचिव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस संगठन के चुनाव परिणाम घोषित हुए जिसमे तेंदूखेड़ा विधानसभा के ग्राम उमरपानी निवासी यशवंत कौरव नरसिंहपुर जिला महासचिव के रूप में निर्वाचित हुए, सभी युवा कांग्रेस के आकाश कौरव, शशांक स्थापक, राहुल यादव, सौरभ कौरव, गौरव कौरव आदि सभी मित्रों ने यशवंत कौरव को मिली नई जिम्मेदारी के लिए बधाई प्रेषित की।

पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में विगत दिवस अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला इकाई द्वारा संगठन मंत्री प्रिंस तिवारी के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। कनिष्ठ वर्ग में आभा गोस्वामी ने प्रथम कंचन चैधरी द्वितीय अंबिका यादव तृतीय वरिष्ठ वर्ग में कंचन मेहरा प्रथम हर्ष पटैल द्वितीय अंशुल साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रार्थना सभा में विजेता प्रतिभागियों को ए. बी. वी. पी. जिला इकाई द्वारा पुरस्कृत किया गया। संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी, प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, राजेन्द्र पटैल एवं आचार्य परिवार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दानिश अली ने जेएनयू में लहराया विजय का परचम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश के जिले के बाँदरबरू गाँव की बेटी दानिश अली ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की तरफ से चुनाव लड़ते हुए जॉइंट सेक्रेंटरी का पद अपने नाम किया है। दानिश की यह जीत ना सिर्फ जेएनयू कैंपस में बल्कि उनके गृह जिले में भी गर्व का विषय बनी हुई है। दानिश अली की प्रारंभिक शिक्षा ऋाइस्ट चर्च कॉन्वेंट स्कूल, गाडरवारा में हुई। इसके बाद उन्होंने न्यूएज पब्लिक स्कूल, गाडरवारा से अपनी 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री तेग बहादुर खालसा कॉलेज से बी. ए. ऑनर्स की डिग्री हासिल की। अपने सपने को साकार करते हुए उन्होंने जेएनयू में एडमीशन पाया और जेएनयू से पोस्ट ग्रेजुएशन किया और वर्तमान में वहीं से पीएचडी कर रही हैं। छात्र राजनीति में सक्रिय दानिश अली ने सामाजिक न्याय, शिक्षा के अधिकार श्और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई है। उन्होंने कैंपस में छात्रों के हितों की रक्षा और समावेशी माहौल बनाने की मुहिम चलाई। दानिश की जीत की खबर मिलते ही बाँदरबरू और आसपास के इलाकों में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि दानिश ने गाँव और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर उनके पिता श्री सैयद एहफाज अली, माता श्रीमति सायरा अली, भाई सैयद शादाब अली एवं परिवार के राशिद अली, शाहिद अली, इरफान अली, अशरफ अली, फिदा हुसैन व अन्य परिजनों से बधाई दी है। दानिश का कहना है, ये जीत मेरी नहीं है बल्कि हर उस छात्र की है जो समानता और न्याय के लिए आवाज उठाता है। मैं चाहती हूँ कि गाँव की हर बेटी आगे बढे, अपने सपनों को साकार करे और गरीब मज्लूम व पिछडों का साथ दे।

विविध गतिविधियों का होगा आयोजन

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

मंत्री श्री शाह ने वीडियो कांफ्रेंस मे ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस आयोजित की गई। उन्होंने जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिले के हितग्राहियों को सम्मिलित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, संबंधित विभागों के अधिकारी स्थानीय एनआईसी कक्ष नरसिंहपुर में शामिल हुए। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजाति गौरव दिवस के रूप मे मनाई जाने को लेकर अधिकारियों से चर्चा की गई।

विविध प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जिले में एक नवंबर से 15 नवंबर तक उत्सव स्वरूप विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिले में एक नवंबर से 7 नवंबर को उद्घाटन समारोह, छात्र- छात्राओं द्वारा निबंध एवं भाषण, चित्रकला, पोस्टर निर्माण, क्विज प्रतियोगिता आदि गतिविधियां आयोजित की गई। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों बिरसा मुंडा, टंट्या मामा, रानी दुर्गावती आदि के योगदान पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता मे जनजाति नायकों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

जन जागरण रैली का आयोजन

जन जाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 14 नवंबर तक खेलकूद प्रतियोगिता, मेहंदी, रंगोली, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण दिवस, प्रभात फेरी जनजागरण रैली, रथ यात्रा, प्रेरक वक्तव्य एवं संवाद सत्र, जनजातीय नायकों पर जीवनी पाठ / पोस्टर एवं बाल दिवस का विशेष कार्यक्रम और 15 नवंबर को जिले में प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कृष्ट अभियान के तहत चयनित 73 ग्रामों में ग्राम सभाओं का आयोजन प्रस्तावित है। प्रशासन द्वारा उक्त आयोजन को लेकर तैयारियां कर कार्यक्रम के संयोजन की कार्रवाई कराई जा रही है। जनजाति के महानायकों के योगदान की गाथा आजादी लड़ाई में दिए योगदान को याद करना तथा उनकी प्रेरणात्मक कहानी जनजन तक पहुचाई जाएं।

विभागों को सौंपे दायित्व

उक्त कार्यक्रम में जिले के जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पुलिस विभाग, मत्स्य पालन विभाग, दूरसंचार विभाग, पशुपालन विभाग, आयुष विभाग, समस्त महाविद्यालयों, छात्रावास इत्यादि विभागों की सहभागिता के साथ 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150ध वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप मनाया जा रहा है। आयोजन को लेकर प्रशासन द्वारा विभागों को दायित्व सौंपकर आयोजन को मूर्त रूप देकर सफल बनाने के निर्देश दिए गए है।

रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अनेकता में एकता भारत की विशेषता यही हमारे देश की पहचान है। हम सभी भारतीय किसी भी धर्म मजहब जाति के हो सभी आपसी भाईचारे के रहते हुए देश की उन्नति में सहायक बनने के लिए हमेंशा तत्पर रहते हैं। हमारा देश आज अग्रणी देशों में एक है उसकी वजह यही है कि हम सभी एक साथ कंधे से कंधे मिलाकर देश सेवा में में अपना सहयोग कर रहे हैं। हमें एक साथ मिलकर ऐसे ही अपना काम करना है जिससे देश की तरक्की हो। उक्ताशय की बात शनिवार को शैक्षणिक संस्था सेण्ट मेरीज कान्वेंट स्कूल की प्राचार्य श्रीमति प्रीति क्लॉडियस ने संस्था में आ यो जि त कार्यक्रम में कही। विदित हो कि संस्था में प्रति शनिवार को बैग लेस स्कूल रहता है। इस दिन बच्चों को कौशल विकास कार्यक्रम किये जाते हैं। जिसमें म्यूजिक, गिटार, ड्राइंग, आर्ट एंड क्राप्ट, तथा अन्य गतिविधियों से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन में कहीं न कहीं आवश्यक है। आज आयोजित कार्यक्रम में बच्चों द्वारा विषयानुसार कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया गया। अलग-अलग प्रांतों की वेशभूषा पहनकर बच्चों द्वारा कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। इस अवसर पर बच्चों ने रांगोली तथा पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से अनेकता में एकता विषय पर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत जिले का महिला सम्मेलन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नारोलिया, भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति ज्योति काकोड़िया, उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष पूजा तिवारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष इंजी.निशा सोनी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संध्या कोठारी, सविता बड़कुर, बसंती पालीवाल, महिला मोर्चा महामंत्री सुषमा साहू की उपस्थिति रही। श्रीमति नारोलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि घर घर जाकर महिला मोर्चा की बहनों द्वारा स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने हेतु प्रेरित करना है। जो महिलाएं आत्मनिर्भर है उनका सम्मान करना है ताकि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित हों। आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं की भागीदारी से होकर जाता है। पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को आत्मसात करते हुए हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज बीजेपी वट वृक्ष बन चुकी है पीएम मोदीजी की हर योजना की राशि लाभार्थी के सीधे खाते में जा रही है जिससे प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बन रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का मानना था कि आर्थिक व्यवस्था स्वदेशी पर आधारित होनी चाहिए। जब तक यह स्वदेशी नहीं होगी, यह न तो हमारी स्वतंत्रता की रक्षा कर सकती है और न ही न्याय की गारंटी दे सकती है। आज भाजपा सरकार इसी मंत्र पर चलते हुए स्वदेशी को बढ़ावा दे रही है। मेक इन इंडिया से लेकर स्टार्टअप इंडिया वोकल फॉर लोकल से लेकर आत्मनिर्भर भारत तक हर पहल का लक्ष्य यही है कि हम विदेशी निर्भरता कम करें और स्वदेशी उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएं स्वदेशी के भाव से ही भारत आत्मनिर्भर बन सकेगा। श्री पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी मानना है कि स्वदेशी उत्पादों का मतलब कम कीमत, अधिक शक्ति है। मोदी सरकार जनधन खाते के माध्यम से देश में 50 करोड़ से अधिक खाता खोले गए प्रधानमंत्री आवास 3 करोड़ से अधिक लोगों को प्राप्त हुआ उज्ज्वला योजना से 10 करोड परिवार लाभान्वित हुए आयुष्मान भारत कार्ड से देश में 37 करोड लोगों ने मुफ्त में इलाज कराया देश में 80 करोड लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण तथा 5 लाख तक निशुल्क इलाज करवा रही है आज हम आत्मनिर्भर होकर देश को समृद्ध बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकते है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया एवं सामूहिक रूप राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। सम्मेलन का संचालन शिरोमणि चैधरी एवं आभार दीपिका आनंद द्वारा किया गया।

गोटेगांव में बाइक डिक्की से 3 लाख रुपए चोरी, पुलिस जांच में जुटी

गोटेगांव। सघन रहवासी इलाके नेहरू वार्ड में रहने वाले विष्णु चौरसिया की बाइक की डिक्की से अज्ञात व्यक्ति ने 3 लाख रुपए चोरी कर लिए। घटना तब हुई जब चौरसिया एसबीआई बैंक से रुपए निकालकर घर आए और बाइक खड़ी कर पोस्ट ऑफिस की पासबुक लेने अंदर गए थे। वापस आने पर डिक्की का लॉक टूटा मिला और रुपए गायब थे। पुलिस ने IPC 303 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बार-बार हो रही घटनाएं, पुलिस के हाथ खाली

गोटेगांव में ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। बैंक से रुपए निकालने के बाद बाइक खड़ी करते समय चोर नए तरीकों से वारदात को अंजाम देते हैं। अब तक किसी भी मामले में आरोपियों का पता नहीं चल सका है। सूत्रों के मुताबिक, अज्ञात चोर कुछ दिन वारदात के बाद इलाके में शांत रहते हैं और फिर नए तरीके से घटना को अंजाम देते हैं।

पुलिस की अपील

- बाइक खड़ी करते समय हमेशा लॉक करें और सामान सुरक्षित रखें।- CCTV कैमरों का उपयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। - अगर आपके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे, तो तुरंत 112 पर संपर्क करें।

क्या आप सुरक्षित हैं?

बैंक से रुपए निकालने के बाद तुरंत घर पहुंचें और बाइक को सुरक्षित स्थान पर पार्क करें। अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें और सतर्क रहें। क्या आपको भी ऐसी घटना का सामना करना पड़ा है? तुरंत पुलिस से संपर्क करें और सावधानी बरतें।

युगाब्ध-5127, विक्रम सम्वत-2082 के शुभ अवसर पर सप्तशक्ति संगम

श्रीधाम, गोटेगाँव, **कार्यक्रम की मुख्य अतिथिः** श्रीमती सुमन पटैल, **समाज सेवी अध्यक्षताः** श्रीमती पूनम ठाकुर, अध्यक्ष नगर पालिका, वक्ताः श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी, राष्ट्रीय सेविका, जिला कार्यवाहिका, नरसिंहपुर विशिष्ट अतिथिःश्रीमती रितु जैन, प्राचार्या, इंद्रा कन्या शाला, श्रीमती आरती पटैल, अध्यक्ष जनपद पंचायत, श्रीमती श्रद्धा चौकसे, उपाध्यक्ष नगर पालिका एवं इस कार्यक्रम में **गरिमामयी उपस्थितिः** श्रीमती अंजनी सोनी, मण्डल अध्यक्ष भाजपा नगरश्रीमती प्रियंका खेमरिया, सरपंच गोटेगाँवखेड़ा श्रीमती मनीषा राय, अध्यक्ष कलचुरी समाज, गोटेगाँव आप सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में सप्तशक्ति संगम की गरिमा बढ़ाने आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। **आयोजकः** सरस्वती उच्च. माध्य. विद्यालय श्रीधाम, गोटेगाँवस्नेहलता श्रीवास्तव, जिला संयोजिका सह संयाजिका - संगीता नामदेव, नीतू नेमा, सवीता राजपूत, आरती पटैल, तुलसा नामदेव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

अंतर कक्षा युवा उत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार एम. आई.एम. टी. कालेज नरसिंहपुर में अंतर कक्षा युवा उत्सव का आयोजन चेयरमेन इजी. रुद्रेश तिवारी के मुख्य अतिथि, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता एवं डॉ. पराग नेमा महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रभारी की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि इंजी. रूद्रेश तिवारी द्वारा युवा उत्सव की उपादेयता एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गर्ग द्वारा युवा उत्सव को छात्र - छात्राओं की प्रतिभा को निखारने का श्रेष्ठ माध्यम बताते हुए समाज में इसकी उपयोगिता को निरूपित किया तथा अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। स्वागत भाषण सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. पराग नेमा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आराधना दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीपिका शर्मा द्वारा किया गया। युवा उत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर बौद्धिक-साहित्यिक, ललित कला, गायन - वादन, नृत्य एवं अभिनय की विधाओं मे चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

तेंदूखेडा को जरुरत है बालिका छात्रावास की

एक हजार के लगभग छात्राएं पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति जनजाति की करतीं हैं शिक्षा ग्रहण

तेंदूखेडा। दिनों दिन छात्राओं की बढ़ती संख्या और प्रतिदिन आवागमन की समस्या को देखते हुए तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित तेंदूखेडा में बालिका छात्रावास की महती आवश्यकता काफी लंबे समय से महसूस की जा रही है। यदि पिछले आंकड़े उठाकर देखें तो तेंदूखेडा में आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग तीन सौ से चार सौ छात्रायें हायर सेकंडरी स्कूल और उच्च शिक्षा ग्रहण करने 10 से 25 किमी दूर बाहर से आकर शिक्षा ग्रहण किया करती है । एक परिसर शाला के हिसाब से यहां पर कक्षा छठवीं से बारहवीं तक एक हजार के लगभग छात्राएं शामिल हैं। विगत वर्ष का आंकड़ा उठाकर देखें तो इनमें मिडिल स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जिनमें पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति वर्ग और अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्रायें है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार कक्षा छठवीं से बारहवीं तक पिछड़ा वर्ग में 474 छात्राएं अनुसूचित जाति में 160 और जन जाति में 118 छात्राएं अध्ययन किया करती हैं।

शासकीय महाविद्यालय में पिछड़ा वर्ग में 112 छात्राएं अनुसूचित जाति की 35 और जनजाति वर्ग की 27 छात्राएं अध्ययन करने आती हैं। जो बाहर से आना जाना किया करतीं हैं। चूंकि इस आंकड़े में अशासकीय विद्यालयों की संख्या शामिल नहीं इन स्कूलों में सैकड़ों छात्राएं अध्ययन किया करती है।

स्कूल का समय मिलाने बसों का करना पड़ता है इंतजार

सुबह स्कूल और कालेज मिलाने से लेकर टाइमिंग यात्री बसों को मिलाने के लिए इन छात्राओं को अपनी दैनिक सभी गतिविधियों से निवृत्त होकर आना फिर वापस लौटना फिर बसों में उन सभी परस्थितियों का सामना करना जो सफर के दौरान देखने मिला करतीं हैं । इतना ही नहीं तेंदूखेड़ा के बस स्टैंड से इन छात्राओं को एक से डेढ़ किमी दूर पैदल जाना पड़ता है। और वापस लौट कर आना पड़ता है।छुट्टी के बाद शाम को वापस जाने के बाद छात्रायें प्रायः थक जाती है। और सर्दियों के दिनों में ज्यादा परेशानी हुआ करती है।इन सभी झंझावतों से बचने के लिए तहसील मुख्यालय तेंदूखेडा में शासकीय प्री मैट्रिक हरिजन आदवासी पिछडा वर्ग छात्रावास की महती आवश्यकता है। जिसमें छात्राओं को यहाँ रहने के लिए व्यवस्था बन सके इस व्यवस्था से जहाँ प्रतिदिन आने जाने की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा वहीं पालक वर्ग की समस्या भी खत्म होने के साथ चिंता भी मिट जायेगी। इस विषय को काफी लंबे समय से क्षेत्रीय लोगो द्वारा मांग भी रखी जा रही है लेकिन अभी तक निराकरण ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में प्रयास तो किये थे लेकिन आज तक सफलता नहीं मिल सकी है। तेंदूखेड़ा और आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के पालक अपनी बालिकाओं को पढ़ाने के लिए तेंदूखेड़ा में एक शासकीय बालिका छात्रावास की मांग करतें हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित किया जाता है, मैं रोहित पटैल पिता श्री मुरारी पटैल बरेली, तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर का निवासी हूँ। यह कि मेरे द्वारा पिता के नाम में नाम परिवर्तन किया गया है। अब मुझे रोहित पटैल पिता श्री मुरारी पटैल के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। और मेरे सभी दस्तावेजों एवं पेपरों में मेरे पिता का नाम मुकेश पटैल के स्थान पर मुरारी पटैल माना जाए।

नया नाम
रोहित पटैल पिता श्री मुरारी पटैल
पुराना नाम
रोहित पटैल पिता श्री मुकेश पटैल